आईएचआरसी का 63वाँ सत्र उत्तर प्रदेश राज्य अभलिेखागार में आयोजति

चर्चा में क्यों?

18-19 दसिंबर, 2022 को उत्तर प्रदेश राज्य अभलिेखागार, लखनऊ में भारतीय ऐतहािसकि अभलिेख समति (आईएचआरसी) के 63वें सत्र का आयोजन कयिा गया।

प्रमुख बदिु

- आईएचआरसी के 63वें सत्र का उद्घाटन दया शंकर सहि, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), परविहन मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 18 दसिंबर को कयिा गया।
- सत्र के दौरान भारत के राष्ट्रीय अभलिेखागार के संग्रह से मूल अभलिेखीय स्रोतों के आधार पर 'स्वतंत्रता की गाथा: ज्ञात और अल्प ज्ञात संघर्षों'नामक एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन कयिा गया।
- दो दविसीय सत्र में पहले दनि उद्घाटन और व्यावसायकि सत्र और अगले दनि शैक्षणकि सत्र का आयोजन कयिा गया। वदि्वानों द्वारा भारतीय इतहिास में 1600 ई. के पश्चात् के मूल स्रोतों पर आधारति कुल 24 शोधपत्र इतहिास के वभिन्नि पहलुओं पर प्रस्तुत कयिा गया।
- भारतीय ऐतहािसकि अभलिेख समति (आईएचआरसी) अभलिेखों के रचनाकारों, संरक्षकों और उपयोगकर्त्ताओं का एक अखलि भारतीय मंच है जसिकी स्थापना 1919 में अभलिेखों के प्रबंधन और ऐतहािसकि अनुसंधान के लयि उनके उपयोग से जुड़े सभी मुद्दों पर भारत सरकार को सलाह देने के लयि की गई थी।
- नई दलि्ली स्थति भारतीय राष्ट्रीय अभलिेखागार, भारतीय ऐतहािसकि अभलिेख समति (1911 में भारतीय ऐतहािसकि अभलिेख समति के तौर पर फरि से नामति) का सचविालय है।
- आईएचआरसी की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत मिंत्री करते हैं और इसमें 134 सदस्य शामलि हैं जनिमें भारत सरकार की एजेंसयिाँ, भारत सरकार के नामांकति व्यक्ति, राज्य/केंद्रशासति प्रदेशों के अभलिेखागार, वश्विवदि्यालयों और वदि्वान संस्थानों के प्रतनिधिि शामलि हैं। आईएचआरसी ने अब तक 62 सत्र आयोजति कयि हैं।
- समति के दो सहायक नकिाय हैं, (i) समतियिों के सत्रों में प्रस्तुत करने के लयि अभलिेखीय स्रोतों के आधार पर कागजात की जाँच एवं अनुमोदन करने के लयि संपादकीय समति और (ii) स्थायी समति अपनी सफिारशिों पर समति द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा करने और इसके बारे में समति की बैठक के एजेंडे पर अपने वचिार व्यक्त करने के लयि। संस्कृत मिंत्रालय के सचवि आईएचआरसी की स्थायी समति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/63rd-session-of-ihrc-held-at-uttar-pradesh-state-archives